एम.एल. झिंगन

मौद्रिक अर्थशास्त्र

monetary economics

चतुर्थ संस्करण

Scanned by TapScanner

विषय-सूची

1. **मुद्रा के कार्य और प्रकार** 1–10
(Functions and Types of money)
मुद्रा की प्रकृति और परिभाषा; मुद्रा की सैद्धांतिक और अनुभवसिद्ध परिभाषाएं, मुद्रा का वर्गीकरण अथवा प्रकार; मुद्रा तथा निकट मुद्रा; मुद्रा के कार्य; प्रश्न

2. **मुद्रा का महत्व अथवा भूमिका** 11–21
(Significance or Role of Money)
मुद्रा की भूमिका का सामाजिक महत्व; मुद्रा के दोष; पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा का कार्य; समाजवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका; मिश्रित अर्थव्यवस्था में मुद्रा का कार्य; प्रश्न

3. **मुद्रा का चक्रीय प्रवाह** 22–27
(The Circular Flow of Money)
अर्थ; घरेलू और व्यवसाय क्षेत्रों के बीच मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; बचत और निवेश युक्त मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; सरकारी क्षेत्र युक्त मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; विदेशी क्षेत्र युक्त मुद्रा का चक्रीय प्रवाह; मुद्रा के चक्रीय प्रवाह का महत्व; प्रश्न

4. **आंतरिक और बाह्य मुद्रा** 28–32
(Inside and Outside Money)
अर्थ; महत्व; सकल मुद्रा और निवल मुद्रा सिद्धान्त; प्रश्न

5. **मुद्रा की तटस्थता** 33–36
(Neutrality of Money)
अर्थ; क्लासिकी व्यवस्था में मुद्रा की तटस्थता; केन्जीय अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तटस्थता; मुद्रावादी विचार; प्रश्न

6. **मौद्रिक मान** 37–51
(Monetary Standards)
मौद्रिक मान का अर्थ एवं रूप; स्वर्णमान; द्विधातुमान; ग्रेशम का नियम; कागज मुद्रा मान; नोट निर्गम के नियम और विधियाँ; प्रश्न

7. **मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त और उसके रूपान्तर** 52–62
(The Quantity Theory of Money and its Variants)
मुद्रा के मूल्य का अर्थ; फिशर का नकदी लेन-देन सिद्धान्त; नकदी शेष केम्ब्रिज सिद्धान्त; लेन-देन सिंद्धान्त बनाम नकदी शेष सिद्धान्त; नकदी शेष सिद्धांन्त की लेन-देन सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; प्रश्न

8. **केन्ज के मूलभूत समीकरण** 63–65
(Keynes' Fundamental Equations)
अर्थ; आलोचनाएँ; निष्कर्ष; प्रश्न

9. **मुद्रा का आय-व्यय सिद्धान्त** 66–69
(Income-Expenditure Theory of Money)

Scanned by TapScanner

भूमिका; आय-व्यय दृष्टिकोण; बचत-निवेश दृष्टिकोण; आय-व्यय (अथवा बचत-निवेश) सिद्धान्त की परिभाषा; सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; प्रश्न

10. **मुद्रा तथा कीमतों का केन्जीय सिद्धान्त**
(The Keynesion Theory of Money and Prices) 70–74
भूमिका; केन्ज द्वारा पुन: व्यवस्थापित मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त; परम्परागत मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त पर केन्जीय सिद्धान्त की श्रेष्ठता; केन्ज के मुद्रा और कीमत सिद्धान्त की आलोचनाएं; प्रश्न

11. **फ्रीडमैन का मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त का पुन: प्रतिपादन**
(Friedman's Re-Formulation of the Quantity Theory of Money) 75–80
भूमिका; फ्रीडमैन का सिद्धान्त; फ्रीडमैन के मुद्रा सिद्धान्त का अनुभवसिद्ध प्रमाण; फ्रीडमैन बनाम केन्ज; प्रश्न

12. **वास्तविक शेष प्रभाव और पीगू प्रभाव**
(The Real Balance Effect and Pigou Effeet) 81–87
पेटिनकिन द्वारा किया गया मुद्रा तथा मूल्य सिद्धान्त का एकीकरण; वास्तविक शेष प्रभाव; पीगू प्रभाव; पीगू प्रभाव तथा वास्तविक शेष प्रभाव में अन्तर; प्रश्न

13. **मुद्रा की मांग**
(The Demand for Money) 88–99
भूमिका; क्लासिकी मत; केन्ज़ीय मत; तरलता अधिमान; केन्जोपरान्त मत; प्रश्न

14. **मुद्रा की पूर्ति**
(The Supply of Money) 100–109
मुद्रा पूर्ति की परिभाषा; मुद्रा पूर्ति के निर्धारक; उच्चस्तरीय या उच्च शक्ति वाली मुद्रा एवं मुद्रा गुणक; मुद्रा गुणकों की व्युत्पत्ति; भारत में मुद्रा पूर्ति के माप; प्रश्न

15. **मुद्रा का तरलता सिद्धान्त**
(The Liquidity Theory of Money) 110–113
प्रस्तावना; रेडक्लिफ समिति का मत; रेडक्लिफ-सेयरस् थीसिस; गुर्ले-शॉ का मत; प्रश्न

16. **क्लासिकी और केन्ज़ीय सिद्धान्तों में मुद्रा का कार्यभाग**
(Role of Money in Classical and Keynesion Theosion) 114–117
प्रस्तावना; क्लासिकी मत; केन्जीय मत; मौद्रिक संतुलन; प्रश्न

17. **वाणिज्यिक बैंकों के कार्य**
(Functions of Commercial Banks) 118–123
अर्थ;वाणिज्यिक बैंकों के कार्य; वाणिज्यिक बैंक का तुलन पत्र; विकासशील देश में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका; प्रश्न

18. **वाणिज्यिक बैंकों का संगठन और ढांचा**
(Organisation and Structure of Commercial Banker) 124–131
भूमिका; यूनिट बैकिंग; शाखा बैकिंग; समूह बैकिंग; श्रृंखला बैकिंग; मिश्रित बैकिंग; सहसंबंधी बैकिंग; प्रश्न

19. **वाणिज्यिक बैंक की नीतियाँ और सिद्धान्त**
(Policies and Principles of Commercial Bank) 132–140
भूमिका; निवेश-सूची प्रबंधन के उद्देश्य; निवेश-सूची के सिद्धान्त; वाणिज्यिक बैंकों की निवेश नीति; सुदृढ़ बैंकिंग व्यवस्था की आवश्यकताएँ; प्रश्न

20. **वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण**
(Credit Creation by Commercial Banks) 141–146

Scanned by TapScanner

क्या बैंक साख निर्माण करते हैं ?; साख निर्माण की प्रक्रिया; बैंकों की साख निर्माण की सीमाएं; प्रश्न

21. **केन्द्रीय बैंकिंग: कार्य एवं साख-नियंत्रण** 147–170
(Central Banking: Functions and Credit Control)
भूमिका; केन्द्रीय बैंक की परिभाषा; केन्द्रीय बैंक के कार्य; साख नियंत्रण; साख नियंत्रण के तरीके; कमर्शियल बैंकों तथा केन्द्रीय बैंक में संबंध; विकासशील अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय बैंक की भूमिका; प्रश्न

22. **वित्तीय मध्यस्थ** 171–177
(Financial Intermediaries)
अर्थ; मध्यस्थता की प्रक्रिया; वित्तीय मध्यस्थों की भूमिका; आर्थिक वृद्धि में वित्तीय मध्यस्थों की भूमिका; वित्तीय मध्यस्थ और अल्पविकसित देश; बचत-निवेश प्रक्रिया में वित्तीय मध्यस्थ; प्रश्न

23. **गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ** 178–186
(Non-Bank Financial Intermediaries)
अर्थ; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों का कार्यभाग; गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ तथा मौद्रिक नीति; गुर्ले-शॉ थीसिस; बैंक तथा गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों में अन्तर; प्रश्न

24. **ब्याज दर के सिद्धान्त** 187–204
(Theories of Interest Rate)
प्रस्तावना; ब्याज का क्लासिकी सिद्धान्त; ब्याज का ऋण-योग्य निधि सिद्धान्त; इसकी क्लासिकी सिद्धान्त से श्रेष्ठता; केन्ज़ का ब्याज तरलता अधिमान सिद्धान्त; ऋण-योग्य निधि के सिद्धान्त से श्रेष्ठता; ब्याज दर की क्लासिकी, ऋण-योग्य निधियों तथा केन्जीय सिद्धान्तों की अनिर्धारितता; ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त; केन्जीय सिद्धान्त से श्रेष्ठता; विकसैल का सिद्धान्त: ब्याज की सतुंलक एवं बाजार दर; प्रश्न

25. **IS और LM फलन: वस्तु और मुद्रा बाजारों का सामान्य संतुलन** 205–211
(IS and LM Functions: General Equilibrium of Product and Money Markets)
प्रस्तावना; वस्तु बाजार संतुलन; मुद्रा बाजार संतुलन; वस्तु और मुद्रा बाजार में सामान्य संतुलन; सामान्य संतुलन में परिवर्तन; प्रश्न

26. **ब्याज दरों का अवधि ढांचा** 212–223
(Term Structure of Interest Rates)
अर्थ; ब्याज दर के अवधि ढांचा के निर्धारक कारक; ब्याज-दर का अवधि ढांचा सिद्धान्त; प्रश्न

27. **वित्तीय बाजार: मुद्रा एवं पूंजी बाजार** 224–234
(Financial Markets: Money and Capital Market)
अर्थ और प्रकार; वित्तीय बाजार की संस्थाएँ; वित्तीय बाजारों की कुशलता; मुद्रा बाजार; पूंजी बाजार; मुद्रा और पूंजी बाजार में अन्तर; मुद्रा और पूंजी बाजार में परस्पर संबंध; प्रश्न

28. **स्फीति तथा अवस्फीति** 235–283
(Inflation and Deflation)
प्रस्तावना; स्फीति का अर्थ एवं प्रकार; स्फीति अन्तराल; मांगजन्य अथवा स्फीति का मौद्रिक सिद्धान्त; लागतजन्य स्फीति; मांगजन्य स्फीति बनाम लागतजन्य स्फीति; मिश्रित मांगजन्य-लागतजन्य स्फीति; क्षेत्रीय अथवा मांग स्थानान्तरण स्फीति; संरचनात्मक स्फीति; मूल्य बढ़ाव स्फीति; खुली तथा निरूद्ध या दमित स्फीति; फिलिप्स वक्र: बेरोजगार और स्फीति में सम्बन्ध; स्फीति का खोज सिद्धान्त; गतिहीन स्फीति; स्फीति के कारण; विकसित देशों में स्फीति रोकने के उपाय; विकासशील देशों में स्फीति रोकने के उपाय; स्फीति के प्रभाव; अवस्फीति; स्फीति की आर्थिक विकास में

Scanned by TapScanner

भूमिका; प्रश्न

29. **मौद्रिक नीति: उद्देश्य, लक्ष्य और संकेतक** 284–294
(Monetary Policy: Objectives, Targets and Indicators)
प्रस्तावना; मौद्रिक नीति का अर्थ; मौद्रिक नीति के उद्देश्य; मौद्रिक उद्देश्यों में विरोध या विनियम; मौद्रिक नीति के लक्ष्य; मौद्रिक नीति के संकेतक; प्रश्न

30. **मौद्रिक नीति: उपकरण, प्रकार, नियम और स्वनिर्णय** 295–304
(Monetary Policy: Instruments, Types, Rules and Discretion)
मौद्रिक नीति के उपकरण; विस्तारक मौद्रिक नीति; प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति; विकासशील अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति की भूमिका; मौद्रिक नीति में नियम बनाम स्वनिर्णय; प्रश्न

31. **मौद्रिक नीति पर क्लासिकी, केन्जीय और आधुनिक मत** 305–308
(Classical, Keynesian and Modern Views on Monetary Policy)
क्लसिकी मत; केन्जीय मत; आधुनिक मत; प्रश्न

32. **मौद्रिक नीति में समय पश्चता** 309–313
(Time Lags in Monetary Policy)
अर्थ और प्रकार; पश्चता का स्वरूप; आलोचनाएं; नीति निहितार्थ; प्रश्न

33. **मौद्रिक संचारण तंत्र** 314–321
(Montary Transmission Mechanism)
प्रस्तावना, क्लासिकी सिद्धांत में संचारण तंत्र, केन्जीय सिद्धांत में संचारण तंत्र, मौद्रिक सिद्धांत में संचारण तंत्र, नव-केन्जीय सिद्धांत में संचारण तंत्र, प्रश्न

34. **मुद्रावादी क्रान्ति** 322–325
(The Monetarist Revolution)
अर्थ; मुख्य विशेषताएं; प्रश्न

35. **राजकोषीय नीति** 326–330
(Fiscal Policy)
अर्थ; राजकोषीय नीति के उद्देश्य; राजकोषीय नीति के औजार; प्रश्न

36. **मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों में समन्वय** 331–336
(Co-ordination between Monetary and Fiscal Policies)
प्रस्तावना; आन्तरिक और बाह्य संतुलन के लिए नीतियां: व्यय-परिवर्तन और व्यय-घटाना; प्रश्न

37. **मुद्रावाद बनाम केन्ज़वाद** 337–343
(Monetarism Versus Keynesianism)
प्रस्तावना; सैद्धान्तिक भेद; नीति विषयक अन्तर; प्रश्न

38. **क्राउडिंग आउट प्रभाव और उपलब्धता सिद्धांत** 344–351
(Crowding Out Effect and Availability Doctrine)
क्राउडिंग आउट का अर्थ; क्राउडिंग आउट के प्रकार; क्राउडिंग आउट तथा राजकोषीय नीति; ऋण उपलब्धता सिद्धांत अथवा रूसा प्रभाव; प्रश्न

39. **विवेकपूर्ण प्रत्याशाओं की परिकल्पना** 352–355
(The Rational Expectations Hypothesis)
प्रस्तावना; विवेकपूर्ण प्रत्याशाएं; विवेकपूर्ण प्रत्याशाओं की परिकल्पना की मूल प्रस्थापनाए; स्थिरीकरण नीति तथा रेटेक्स

Scanned by TapScanner

परिकल्पना; प्रश्न

40. व्यापार-चक्रों की प्रकृत्ति एवं सिद्धान्त 356–381
(Nature of Trade Cycles and Theories)
अर्थ; चक्रों के प्रकार; व्यापार-चक्र की अवस्थाएँ; व्यापार-चक्र सम्बन्धी सिद्धान्त; स्थिरीकरण नीतियाँ या व्यापार- चक्रों को नियंत्रित करने के उपाय; प्रश्न

41. विदेशी विनिमय दर के सिद्धान्त 382–393
(Theories of Foreign Exchange Rate)
विदेशी विनिमय दर का अर्थ; तत्काल और अग्रिम विनिमय दर; विदेशी विनिमय दर के सिद्धान्त; विनिमय दर में परिवर्तन के कारण; प्रश्न

42. विदेश विनिमय दर नीति 394–400
(Foreign Exchange Rale Policy)
प्रस्तावना; स्थिर विनिमय दरें; लोचदार विनिमय दरें; व्यवहार में विनिमय दर प्रणालियाँ; प्रश्न

43. भुगतान शेष 401–413
(Balance of Payment)
अर्थ तथा संरचना; क्या भुगतान-शेष हमेशा संतुलन में होतें है? व्यापार शेष और भुगतान शेष; भुगतान-शेष का समायोजन अथवा असंतुलन ठीक करने के उपाय; भुगतान-शेष की मौद्रिक धारणा; प्रश्न

44. अवमूल्यन 414–417
(Devaluation)

45. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष 418–431
(The International Monetary Fund)
प्रस्तावना; कोष के उद्देश्य; कोष के कार्य; कोष का संगठन एवं ढांचा; कोष का कार्यकरण; सुधार के सुझाव; मुद्रा कोष में स्वर्ण की भूमिका; भारत तथा मुद्रा कोष; विशेष आहरण अधिकार; प्रश्न

46. विश्व बैंक 432–438
(The World Bank)
कार्य; सदस्यता; संगठन; पूंजी सरंचना; निधीयन; कूटनीति; उधार लेने तथा उधार देने की क्रियाएं; अन्य सक्रियताएँ; समीक्षात्मक मूल्यांकन; भारत तथा विश्वबैंक; प्रश्न

47. विश्व बैंक परिवार 439–444
(The World Bank Family)
अन्तर्राष्ट्रीय विकास परिषद्; अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम; बहुपक्षीय निवेश गांरटी एंजेंसी; प्रश्न

48. अन्तर्राष्ट्रीय तरलता 445–448
(International Liquidity)
अर्थ; अन्तर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या और आवश्यकता; अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्तर्राष्ट्रीय तरलता; प्रश्न

49. अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली 449–454
(International Monetary System)

50. यूरोपीय मौद्रिक प्रणाली एवं यूरो 455–459
(The European Monetary System and Euro)

51. एशियाई विकास बैंक 460–463
(Asian Development Bank—ADB)

Scanned by TapScanner

प्रस्तावना; इसके उद्देश्य; इसके कार्य; इसकी सदस्यता; इसका प्रबंध; इसके वित्तीय स्रोत; इसकी प्रगति; इसका मूल्यांकन; प्रश्न

52. **भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली** 464–467
(Present Monetary System of India)
प्रस्तावना; भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली; भारतीय करेन्सी प्रणाली का संक्षिप्त इतिहास; प्रश्न

53. **भारतीय मुद्रा बाजार** 468–475
(Indian Money Market)
अर्थ; भारतीय मुद्रा बाजार का स्वरूप; भारतीय मुद्रा बाजार के कार्य अथवा मुद्रा बाजार का महत्व; भारतीय मुद्रा बाजार के संघटक; भारतीय मुद्रा बाजार के दोष; भारतीय मुद्रा बाजार में सुधार करने के सुझाव; प्रश्न

54. **भारतीय पूंजी बाजार** 476–486
(Indian Capital Market)
भारतीय पूंजी बाजार की विशेषताएं; भारतीय पूँजी-बाजार का कार्यकरण; भारतीय मुद्रा बाजार के दोष; सुधार के लिए कुछ सुझाव; प्रश्न

55. **साहूकार और देशी बैंकर** 487–492
(Money-lenders and Indigenous Bankers)
साहूकार; देशी साहूकार; देशी बैंकर्स और साहूकारों में भेद; प्रश्न

56. **भारत में सहकारी बैंक** 493–502
(Co-operative Banks in India)
प्राथमिक कृषि संबंधी ऋण समितियाँ; केन्द्रीय सहकारी बैंक; राज्य सहकारी बैंक; भूमि विकास बैंक; सहकारी ढ़ाचें को सुदृढ़ करना; प्रश्न

57. **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)** 503–513
(Regional Rural Banks and National Bank for Agricultural and Rural Development-NABARD)
ग्रामीण बैंक; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक; राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक: (नाबार्ड); प्रश्न

58. **भारत में वाणिज्यिक बैंक** 514–516
(Commereial Banks in India)
वाणिज्यिक बैंकों का वर्गीकरण; भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कार्य; प्रश्न

59. **बैंकिंग प्रणाली में वर्तमान प्रवृत्तियाँ** 517–532
(Recent Trends in the Banking system)
प्रस्तावना; सामाजिक बैंकिंग; नवीन या प्रवर्तक बैंकिंग; भारतीय बैंकिंग प्रणाली के दोष; कार्य में सुधार के सुझाव; नरसिम्हम समिति की रिपोर्ट; बैंकिंग-प्रणाली में हुए नवीन या वर्तमान सुधार; प्रश्न

60. **वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण** 533–539
(Nationalisation of Commercial Banks)
प्रस्तावना; वाणिज्यिक बैंकों के राष्ट्रीयकरण का औचित्य; बैंक राष्ट्रीकरण के उद्देश्य; भारत में राष्ट्रीयकृत बैंकों के कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न

61. **भारतीय रिजर्व बैंक** 540–559
(Reserve Bank of India)
इसका संविधान; संगठनात्मक संरचना एवं प्रबन्धन; भारतीय रिजर्व बैंक के उद्देश्य; भारतीय रिजर्व बैंक के कार्य;

Scanned by TapScanner

भारतीय रिजर्व बैंक और कृषि वित्त; रिजर्व बैंक तथा औद्योगिक वित्त; भारतीय रिजर्व बैंक तथा बिल बाजार योजना; भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा नियंत्रण प्रबन्धन; भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न

62. **भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति** 560–566
(Monetary Policy of Reserve Benk of India)
भूमिका; मौद्रिक नीति के उद्देश्य; साख नियंत्रण की विधियाँ; मौद्रिक नीति की विफलता के कारण; प्रश्न

63. **भारत में विकास बैंकिंग** 567–583
(Development Banking in India)
प्रस्तावना; अर्थ; विकास बैंक के कार्य; विकास बैंक का महत्व; भारत में विकास बैंक; आधारभूत सुविधा विकास वित्त कम्पनी; प्रश्न

64. **भारत में गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थ** 584–588
(Non-Bank Financial Intermediaries in India)
प्रस्तावना; गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियाँ; गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का विनियमन; प्रश्न

65. **घाटे का वित्त-प्रबन्धन** 589–596
(Deficit Financing in India)
अर्थ; घाटे के वित्त-प्रबन्धन की भूमिका; भारत में घाटे का वित्त प्रबंधन; प्रश्न

66. **भारतीय अर्थव्यवस्था में स्फीतिकारी प्रवृत्तियाँ** 597–601
(Inflationary Trends in Indian Economy)
स्फीति के कारण; सरकार की कीमत-नियंत्रण नीति; प्रश्न

67. **भारत में मर्चेंट बैंकिंग** 602–604
(Merchant Banking in India)
परिचय; भारत में मर्चेंट बैंकिंग की वृद्धि और कार्यकरण; मर्चेंट बैंकिंग की कमियां और उपचार; प्रश्न

68. **भारत में पारस्परिक निधियां (म्यूचुअल फंड)** 605–608
(Mutual Funds in India)
प्रस्तावना; म्यूचुअल फंड के उद्देश्य; म्यूचुअल फंड के लाभ; म्यूचुअल फंड की योजनाएं; भारत म्यूचुअल फंड की वृद्धि और कार्यकरण; प्रश्न

69. **सेबी की भूमिका और उपलब्धियां** 609–611
(Role and Achievements of SEBI)
प्रश्न

70. **भारत में वित्तीय सुधार** 612–616
(Financial Reforms in India)
परिचय; बैंकिंग क्षेत्र में सुधार; मुद्रा बाजार सुधार; पूंजी बाजार सुधार; प्रश्न

Scanned by TapScanner